ब्राक मीडिया

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के मीडिया छात्रों का प्रायोगिक समाचार-पत्र

ब्राक मीडिया के निरंतर दो वर्ष प्रकाशित होने की बधाई। 27 अक्टूबर 2023 को कई साल बाद पहला संस्करण प्रकाशित हुआ। शिक्षकों के मार्गदर्शन का, सभी सहयोगी विद्यार्थियों का और विशेष रूप से पाठकों का हृदय से आभार।

ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय में ऑपरेशन सिंदूर तथा भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता मनोविज्ञान विभाग की प्रो. उर्मी नंदा विश्वास ने की। इस सत्र में सिंदूर और जेंडर विषय पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के सामाजिक कार्य विभाग की प्रो. वंदना सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में महिलाओं की भूमिकाओं पर बात करते हुए देवियों को याद किया और महिला सैनिकों का उदाहरण देकर भविष्य में बेटियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. मिथिलेश कुमार ने कहा कि सिंदूर हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। भारत ने राष्ट्रीय अस्मिता पर चोट पहुंचाने का जवाब ऑपरेशन सिंदूर के रूप में दिया। केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. एन

प्रो. बलराम पाणि को सम्मानित करते प्रो. ममता यादव एवं प्रो मोनिका अहलावत

नागालिंगम ने कहा कि सिंदूर नाम का प्रयोग महिलाओं को गौरवानुभूति प्रदान करने के लिए किया गया है। प्रो. दीपाली जैन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर महिला सशक्तीकरण और महिलाओं की पहचान का प्रतीक तो है ही, यह त्याग का भी प्रतीक है। प्रो. पूनम मित्तल ने धार्मिक ग्रंथों से सीताजी और हनुमानजी के माध्यम से सिंदूर के महत्व को जोड़कर उसके आध्यात्मिक पक्ष की चर्चा की। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की प्रो. सुप्रिया पाठक ने सिंदूर को महिलाओं के सम्मान और अस्तित्व से जोड़ा। दिल्ली विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. चितरंजन सुबोधी ने भारत की प्राचीन सभ्यता से सिंदूर का संबंध जोड़ते हुए साहित्य और संगीत में सिंदूर के महत्व को दर्शाया। के. के. एम. कॉलेज पाकुड़, झारखंड के प्रो. युगल झा ने कहा कि जब राजनीति गड्डमड होती है, तब साहित्य वहां पर रास्ता दिखाता है। दूसरे सत्र का मंच संचालन डॉ अंजलि सुमन एवं डॉ किसलय सिंह ने किया।

सिंदूरः नीति और लोक विमर्श के विषय में गणित विभाग की प्रो. सरला भारद्वाज ने श्रीमद्भागवत का प्रसंग शामिल करते हुए श्रीकृष्ण के माध्यम से सिंदूर के महत्व को बताया। इग्नू में सतत शिक्षा विभाग की प्रो. शालिनी कुशवाहा ने सिंदूर और आयुर्वेद के मध्य के संबंधों को बताया। डॉ मनीष द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत पर सामाजिक प्रभाव डाला है और समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान को पुनर्स्थापित किया है। इग्नू में सामाजिक कार्य विभाग के डॉ विनोद कुमार ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सांस्कृतिक जागरण से जोड़कर उसके महत्व पर प्रकाश डाला। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस संगोष्ठी से शोध के क्षेत्र को एक नयी दिशा मिलेगी। भारत भक्ति फाउंडेशन के बृजेश कुंतल ने रानी किशोरी देवी के पराक्रम के माध्यम से सिंदूर के महत्व को बताया। सेवानिवृत डी.आई.जी. नरेंद्र दुबे ने अपने जीवन की घटनाओं के माध्यम से सिंदूर के महत्व को बताया। ब्रिगेडियर डॉ भुवनेश चौधरी ने छात्रों भविष्य के प्रति अगाह किया। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. धनंजय जोशी ने कहा कि भारतीय प्रतिभा यदि भारत में रहकर अपना योगदान देते हैं तो इससे विकसित भारत का सपना जल्द पूरा हो सकेगा। कार्यक्रम संयोजक प्रो. विष्णु मोहन दास ने संगोष्ठी की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। हिंदी पत्रकारिता विभाग की प्रो. शशि रानी ने मंच संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ कुमार सत्यम ने किया।

वाणिज्य विभाग ने शोध लेखन पर कार्यशाला का किया आयोजन

डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने बिजनेस रिसर्च मेथोडोलॉजी पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में दिल्ली विवि के वाणिज्य विभाग के रिसोर्स पर्सन प्रो. एच के दांगी, किरोड़ीमल कॉलेज के वाणिज्य विभाग के प्रो. पुष्पेंद्र कुमार, मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य के वाणिज्य विभाग के प्रो. रजनीश क्लेर और कॉलेज प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. दांगी ने कहा कि शोध का उद्देश्य केवल आंकड़ा इकट्ठा करना नहीं बल्कि उसका सही विश्लेषण करके एक निष्कर्ष तक पहुंचना है। शोध लिखते समय यह ध्यान देना चाहिए है कि हम एकपक्षीय होकर न लिख रहे हों। शोध पत्र लिखते समय अपने शोध को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न स्रोतों का इस्तेमाल करना

प्रो. बिजेंद्र कुमार को पुष्पगुच्छ से सम्मानित करते डॉ पुरुषोत्तम

चाहिए। बिजनेस की दुनियां में शोध लेखन कौशल की बहुत जरूरत है। शोधार्थी के अंदर आंकड़ों को परखने और उसका सही जगह इस्तेमाल करने की समझ भी होनी चाहिए। प्रो. पुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि जीवन में यदि आप सकारात्मक सोच के साथ कोई कार्य करते हैं तो उसका अच्छा परिणाम भविष्य में जरूर मिलता है। शोध के क्षेत्र में भी यही बात लागू होती है। आपको शोध करते वक्त कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन उसके लिए आपको विषय की अच्छी समझ होनी चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीपार्चन के साथ हुई। वाणिज्य विभाग के समन्वयक डॉ पुरुषोत्तम ने अतिथियों का स्वागत पौधा और शॉल देकर किया गया। इस अवसर कार्यशाला संयोजिका डॉ आरती ढींगरा, प्रो. सीमा सोढ़ी, प्रो. सुजीत कुमार,डॉ एम पी मीणा के साथ भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता हस्ताक्षर अभियान

डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने 'यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता' विषय पर हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया। इस आयोजन में महाविद्यालय के अध्यापकों ने यौन उत्पीड़न के विरूद्ध अपनी व्यक्तिगत सहमति दर्ज कराते हुए महाविद्यालय की लोकतांत्रिक दीवार पर हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम में अध्यापकों और विद्यार्थियों ने उत्पीड़न मुक्त वातावरण बनाने की शपथ ली। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने हस्ताक्षर कर अभियान का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे व्यवहार से किसी महिला को किसी भी प्रकार की असहजता का सामना ना करना पड़े। प्राचार्य ने हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करती छात्रा

अभियान से जुड़े विद्यार्थियों को महिलाओं के लिए अच्छे वातावरण उपलब्ध कराने की शपथ दिलाई और विद्यार्थियों को नारी सम्मान की सीख दी। उन्होंने कहा कि हमारा व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी महिला की गरिमा और सम्मान को ठेस ना पहुंचे,ऐसा ख्याल रखा जाए। अभियान में आंतरिक शिकायत समिति की पीठासीन अधिकारी प्रो. ममता यादव सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद के निर्देशन में इस अभियान में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता और सहयोग किया।

सामाजिक न्याय और समानता के पक्षधर थे बाबा साहेब : डॉ दिव्यकीर्ति

डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज में बाबा साहेब के 135वें जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आज का युवा और अम्बेडकर विषय पर 19वीं स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रशासनिक सेवा अधिकारी एवं शिक्षक डॉ विकास दिव्यकीर्ति और विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व कुलपति डॉ पी सी पातंजलि उपस्थित रहे। कॉलेज प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ अम्बेडकर को वंचित,शोषित और पिछड़े समाज के उत्थान के लिए याद किया जाता है।

डॉ विकास दिव्यकीर्ति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब के जीवन को देखने और समझने के बाद पता चलता है कि उनका संघर्ष कितना बड़ा था। बाबा साहेब प्रत्येक दिन का अधिकांश समय अध्ययन में दिया करते थे ताकि उनके समाज का कल्याण हो सके।

डॉ दिव्यकीर्ति ने बताया कि अमेरिका में अब्राहम लिंकन ने अश्वेतों के सामाजिक उत्थान के लिए काम किया ,ठीक वैसा ही प्रयास भारत में दलितों और पिछड़ों के उत्थान, पुनरोत्थान और उधार के लिए बाबा साहेब डॉ

डॉ विकास दिव्यकीर्ति और प्रो. बिजेंद्र कुमार के साथ छात्र

भीमराव अंबेडकर ने किया।

डॉ विकास ने कहा कि अंबेडकर को गौतम बुद्धवाची पुस्तक ने बौद्ध धर्म की वैज्ञानिकता और तार्किकता से प्रभावित किया जिसके फलस्वरूप उन्होंने अपने अनुयायियों के संग बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण कर ली थी। बाबा साहेब का मानना था कि धर्म मुक्त नहीं करता बल्कि धर्म में रहकर मुक्ति प्राप्त करना होता है। डॉ दिव्यकीर्ति ने बताया कि वंचित लोगों के लिए धर्म परिवर्तन सामाजिक स्तर में सुधार करने का जरिया होता है।

डॉ पी सी पतंजलि ने कहा कि बाबा साहेब उम्रभर समानता के लिए लड़ते रहे। उन्होंने सामाजिक समानता पर जोर देते हुए कहा कि रोटी बेटी का बंधन तोड़ने से ही सामाजिक समानता और समरसता आ सकती है। कॉलेज के चेयरमैन प्रो. पंकज त्यागी ने अपने वक्तव्य में कहा कि संघर्ष , सिद्धांत, समानता, और हौसला ही अम्बेडकर के व्यक्तित्व का परिचय है। यही भाव लोगों में प्रेरणा का संचार करता है।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीपार्चन के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत पौधा और शॉल देकर किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम संयोजिका प्रो. दीपाली जैन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि डॉ विकास दिव्यकीर्ति जमीन से जुड़े हुए आदमी हैं। कार्यक्रम सह संयोजिका प्रो. शशि रानी, प्रो. बिजेन्द्र कुमार, प्रो.राजेश उपाध्याय, प्रो. जया वर्मा,प्रो.रियाजुद्दीन खान, प्रो. सुजीत कुमार समेत भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

स्वच्छ भारत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज में किया गया। दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री के निर्देशानुसार कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में सैकड़ों विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद भी उपस्थित रहे । एक माह तक चलने वाले स्वच्छता अभियान का यह आठवां दिन था। इस मौके पर उत्तर-पूर्वी जिले की जिलाधिकारी सुश्री बरिया मंसूर की गरिमामयी उपस्थिति थी। इस अभियान में ‘एक पेड़ मां के नाम’ चित्रकला प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुश्री बरिया मंसूर ने स्वच्छता अभियान की विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर लगभग 150 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने स्वच्छता की शपथ ली।

प्रतिभागी एवं शिक्षक

इस कार्यक्रम के दौरान संस्कृति समिति की संयोजक प्रो. चित्रा रानी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डॉ अंजू, डॉ नाजिया समेत कई प्राध्यापकों ने भी स्वच्छता अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। महाविद्यालय की प्राध्यापक प्रो. तुष्टि भारद्वाज द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त प्राध्यापक और सारे कर्मचारी उपस्थित थे।

वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन

दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज में खेल विभाग ने ‘बेयर फुट 2025’ प्रतियोगिता के चार दिवसीय खेल महोत्सव का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में कराया। आयोजन के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया । बेयर फुट 2025 के अंतिम दिन का आकर्षण क्रिकेट , वॉलीबॉल रहा। जिसमें प्रतिभागियों ने अपना पूरा दमखम झोंक दिया।

क्रिकेट मैच डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज और किरोड़ी मल कॉलेज के बीच खेला गया। अंबेडकर कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। लेकिन रोमांचक मुकाबले में किरोड़ी मल कॉलेज की टीम ने खेल के साथ लक्ष्य को हासिल कर लिया जिससे अंबेडकर कॉलेज

शिरकत करते प्रतिभागी

को हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर वॉलीबॉल कोर्ट पर भी गहमागहमी देखने को मिली, जहाँ BRAC Alumni और BRAC की टीमें आमने-सामने थीं। पूरे मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। आखिरकार BRAC Alumni ने 5-4 के स्कोर से मैच अपने नाम कर लिया। आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र अगले दिन प्रदान किया गया।

मानसिक और शारीरिक फिटनेस में खेलों की अहम भूमिका

डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज में तीन दिवसीय तीसरा वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता पद्मश्री डॉ सत्यपाल सिंह और कॉलेज प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद, शारीरिक शिक्षा समन्वयक डॉ के के शर्मा, खेल समिति के संयोजक डॉ ललित कुमार उपस्थित रहे।

डॉ सत्यपाल सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं एक कोच हूं। इसीलिए मैं बोलने से ज्यादा कुछ करने में विश्वास रखता हूं। कोच हमेशा मार्गदर्शक की भूमिका में होता है। वह खिलाड़ी को निखारने का काम करता है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को अच्छा बनाने के लिए खेल से जुड़ना चाहिए। खेलने से शारीरिक और मानसिक श्रम होता है जिसके

मशाल प्रज्ज्वलित करते डॉ सत्यपाल सिंह , प्रो. जया व डॉ शर्मा

कारण शरीर में स्फूर्ति आ जाती है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले पैरालंपिक खेलों को कोई नहीं जानता था लेकिन आज भारत के खिलाड़ी इसमें भी देश का नाम रौशन कर रहे हैं।

डॉ के के शर्मा ने कहा कि भीमराव अंबेडकर कॉलेज ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को निखारने का काम किया है और आगे भी कॉलेज खिलाड़ियों के लिए मंच प्रदान करता रहेगा। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत ओलंपिक के तर्ज पर अतिथियों ने मशाल यात्रा निकालकर की। पहले दिन विद्यार्थियों के लिए सौ, दो सौ और चार सौ मीटर दौड़, रस्साकस्सी, टेबल टेनिस, नींबू चम्मच दौड़ आदि खेल प्रतियोगताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीपार्चन के साथ हुआ। अतिथि का स्वागत पौधा और शॉल देकर किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ भारी संख्या में विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

नशामुक्ति पर कार्यशाला का आयोजन

डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय में राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान एवं सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में इंपीरियल सेवा विकास संस्था ने शुक्रवार को ड्रग अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानन्द प्रसाद भी मौजूद थे । सामाजिक कार्य विभाग की संयोजिका डॉ तुष्टि भारद्वाज ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं में मादक पदार्थों की लत काफी तेजी से बढ़ रही है । इसके कारण मानसिक एवं शारीरिक स्तर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही, कार्यक्रम की रूप-रेखा को छात्रों के समक्ष रखा।

बतौर मुख्य वक्ता वील कंस्लटिंग प्रा. लि. के निर्देशक नरेंद्र सिन्धी मौजूद थे। इन्होंने वक्तव्य में ड्रग्स के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि काफी सारे लोग परिवेश के दबाव में आकर ड्रग्स के शिकार हो जाते हैं। युवाओं में ड्रग्स के शिकार बनने की संभावना ज्यादा होती है।

ड्रग्स के शिकार होने के अन्य कारणों में पारिवारिक कलह और

कार्यशाला में उपस्थित नरेंद्र सिन्धी

आत्मविश्वास की कमी जैसे कई कारक जिम्मेदार होते हैं।

भारत में ड्रग्स के तेजी से प्रसार के पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में बहुत सारी दवाइयां हैं जो गैर कानूनी तरीके से भारत में बेची जाती हैं जिसमें मुख्य रूप से दर्द निवारक दवाइयां शामिल हैं। भारत समेत दुनियां के सारे देशों में बच्चे ड्रग्स का सेवन करते पाये जाते हैं।

कार्यक्रम के अंत मे डॉ अंजली सुमन ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज के दौर में काफी सारे युवा ड्रग्स के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से लोगों मे जागरूकता आई होगी। मुझे उम्मीद है कि लोग आसपास के लोगों को भी जागरूक करेंगे।

आपातकाल पर संगोष्ठी का आयोजन

डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में प्रसिद्ध पत्रकार और लोकतंत्र सेनानी रामबहादुर राय और अमर उजाला के सलाहकार संपादक विनोद अग्निहोत्री ने विचार रखे। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने आपातकाल पर विद्यार्थियों के समक्ष विचार रखा। आपातकाल की विभीषिका और आपातकाल के दौरान नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की हत्या के तमाम काले पक्षों को विद्यार्थियों को जानने का मौका मिला। पद्मविभूषण लोकतंत्र सेनानी रामबहादुर राय ने कहा कि आपातकाल थोपकर लोकतंत्र की हत्या की गई। देश को आपाताल की विभीषिका में धकेल दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर किसी को आपातकाल की सच्चाई को जानना है तो जस्टिस शाह आयोग की जांच रिपोर्ट को पढ़ना चाहिए और दिल्ली के तत्कालीन उपराज्यपाल किशन लाल द्वारा आयोग के समक्ष की गवाही को अवश्य पढ़ना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार विनोद अग्निहोत्री ने आपातकाल की

संगोष्ठी में मंचस्थ मुख्य वक्ता रामबहादुर राय , प्राचार्य व अन्य

पृष्ठभूमि को समझाते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कई उपलब्धियों के बावजूद आपातकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा काला धब्बा है। आपातकाल के दौरान परिवार नियोजन कार्यक्रम में जबरदस्ती की गई। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के युवाओं की जबरदस्ती नसबंदी की गई। हर पीढ़ी को आपातकाल की घटना से सबक लेना चाहिए जिससे भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने बताया कि इस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन करने से विद्यार्थी नागरिक अधिकारों के महत्व को समझेंगे जो उनके जीवन के लिए लाभदायक होगा। प्रो. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि दो सौ सालों के संघर्ष के उपरांत अर्जित स्वतंत्रता प्राप्त हुई लेकिन आजादी के बाद पहली बार पर आपातकाल में लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकारों पर रोक लगा दी गई थी। संगोष्ठी के समापन अवसर पर 'आपातकाल: लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन' विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार नीशू , द्वितीय पुरस्कार जाह्नवी और तृतीय पुरस्कार आसिफ अंसारी ने प्राप्त किये। मंच संचालन प्रो. शशि रानी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. चित्रा रानी, प्रो. ममता, डॉ विनीत कुमार, डॉ अंजू, डॉ सुभाष गौतम, डॉ प्रवीण झा, डॉ अनिल कांबले, डॉ आदर्श मिश्रा और राकेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक प्रो. राजबीर वत्स ने धन्यवाद ज्ञापन और अतिथितियों को आभार व्यक्त किया।

कॉलेज विद्यार्थियों को स्वयं को खोजने का स्थल है: डीएम अजय कुमार

कॉलेज जीवन यात्रा है, जहाँ आप स्वयं को खोजते हैं। यह बात डॉ भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में सोमवार को नवागंतुक छात्रों के लिए परिचयात्मक सत्र को संबोधित करते हुए उत्तर-पूर्वी जिले के जिलाधिकारी अजय कुमार ने कही। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों को कॉलेज परिसर, शिक्षण प्रणाली, महाविद्यालय की सुविधाओं और अनुशासन से परिचित कराने के उद्देश्य से किया गया था ताकि वे अपने आगामी शैक्षणिक जीवन की शुरुआत सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ कर सकें। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले के जिलाधिकारी अजय कुमार (भा.प्र.से.) ने कॉलेज जीवन की अहमियत को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि कॉलेज केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि एक जीवन यात्रा है जहाँ आप स्वयं को

डीएम अजय कुमार को सम्मानित करते चेयरमैन प्रो. पंकज त्यागी व प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद

खोजते हैं, रिश्ते बनाते हैं और समय प्रबंधन का कौशल सीखते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जब विद्यार्थी कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई कर निकलते हैं, तो उनके पास केवल डिग्री ही नहीं होती बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सोचने की समझ भी विकसित हो चुकी होती है। महाविद्यालय के गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रो. पंकज त्यागी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता किसी मंज़िल का नाम नहीं, बल्कि उस रास्ते का नाम है जो आपको हर दिन बेहतर बनाता है। कॉलेज में बिताया गया समय सबसे मूल्यवान होता है, जो आपके भीतर बदलाव लाता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.सदानंद प्रसाद ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि कॉलेज उन्हें बेहतर शिक्षा के साथ-साथ जीवन मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व निर्वहन की क्षमता और स्वतंत्र सोच के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि कॉलेज का खुला वातावरण, अनुशासन और विद्यार्थियों व शिक्षक संवाद इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। महाविद्यालय आपको सुरक्षित और संरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए कृत संकल्प है।

प्रो. दीपाली जैन ने कॉलेज के अंतर्गत चलने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्य-संरचना यथा- डी एस सी, कौशल संवर्धन , मूल्य संवर्धन, योग्यता संवर्धन के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, समय सारणी की जानकारी छात्रों को प्रदान की।

प्रो.शशि रानी ने विभिन्न कोर्स के अंतर्गत पढ़े जाने वाले जेनरिक इलेक्टिव कोर्स की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जी.ई विषय के चुनाव की प्रक्रिया समझायी और इस विषय के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। मार्गदर्शन कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. तुष्टि भारद्वाज ने कॉलेज की विभिन्न सोसाइटीज की गतिविधियों और विभिन्न विभागों के शिक्षक प्रभारियों की जानकारी दी ताकि अपनी रुचि के अनुसार छात्र सोसाइटी में भागीदारी कर सकें। नवागंतुकों के मार्गदर्शन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. ममता वालिया, प्रो. ममता यादव, प्रो. पूनम मित्तल, डॉ राकेश यादव, सीमा सोढ़ी, डॉ राजबाला , प्रो. नीरव अडालजा, प्रो.चित्रा रानी, प्रो. नरेन्द्र ठाकुर, प्रो. राजेश उपाध्याय, प्रो. रियाजुद्दीन, प्रो. बिजेन्द्र कुमार समेत विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अपराजेय रथ पर सवार भारतीय टीम

कल आधी रात को जब रिंकू सिंह के बल्ले से विजयी चौका निकला तो पूरा देश झूम उठा। तमाम विरोध और बॉयकॉट के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध इस फाइनल मुकाबले में खेलने उतरा था। टॉस जीतकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गेंदबाजी चुनी थी जिसे भारतीय गेंदबाजों ने सही साबित किया। शुरुआत में भले ही थोड़ी निराशा हाथ लगी लेकिन एक बार जब भारतीय स्पिनरों ने लय प्राप्त की तो पाकिस्तान को नेस्तनाबूत करके ही माने। कुलदीप की गुगली, अक्षर का आर्मर और चक्रवर्ती के रॉन्ग वन ने पाकिस्तानी बल्लेबाजों को ख़ूब नचाया और उनकी पारी को 146 रनों पर ही समेट दिया।

जवाब में बल्लेबाज़ी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा जोकि पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने दर्शकों को निराश किया और केवल पांच रन बनाकर ही फहीम के शिकार हो गए। सूर्या और गिल भी कुछ ख़ास नहीं कर सके। उसके बाद तिलक ने मोर्चा संभालते हुए भारत को जीत दिलाई। एक तरह जहां विकेट गिर रहे थे तिलक भारतीयों को यह हौसला प्रदान कर रहे थे कि उनके रहते पाकिस्तान की जय नहीं हो सकती। रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां- 'सच है विपत्ति जब आती है, कायर को ही दहलाती है, सूरमा नहीं विचलित होते, क्षण एक नहीं धीरज खोते' को शब्दशः चरितार्थ कर रहे थे। उन्होंने दिखाया कि कैसे विषम परिस्थितियों में भी शांत रहकर जीत प्राप्त की जा सकती है। पूरे टूर्नामेंट में भारत विजयश्री के रथ पर सवार रहा। ऐसे बहुत कम मौके होते हैं जब कोई टीम अपराजेय रही हो और खिताब को अपने नाम किया हो। भारत ने ऐसा कारनामा किया और उसका श्रेय पूरी टीम को जाता है। सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म्स पर भले ही भारत का बॉयकॉट किया गया था लेकिन जब भारत ने जीत दर्ज की तो उन्हीं प्लेटफॉर्म्स पर जीत के प्रशस्ति के कशीदे लिखे गए। तिलक ने भारत के मस्तक की शोभा को बढ़ाया। उनकी यह पारी भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम इतिहास में दर्ज होगी जो आने वाले पीढ़ियों को कठिन परिस्थितियों में लड़ने और उसमें भी जीतने का जज्बा भरने का काम करेगी।

जीत के बाद जश्न मनाते भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी

विश्व आत्महत्या दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में मंचस्थ प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद व अन्य वक्ता

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज की काउंसलिंग समिति ने मनोवैज्ञानिक आघात की पहचान और उपचार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया ।कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक व शिक्षाविद डॉ इतिशा नागर ने मानसिक स्वास्थ्य, आघात और आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषयों पर विचार रखे। उन्होंने आत्महत्या और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े भ्रांतियों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। डॉ इतिशा नागर ने आघात व तनाव से निपटने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की । कार्यशाला में नृत्य, शारीरिक गतिविधियों तथा सकारात्मक स्मृतियों को याद करने जैसे अभ्यास कराए गए, जिन्हें छात्रों ने उत्साहपूर्वक अपनाया। इससे आत्म-नियंत्रण, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन को बढ़ावा मिला। कार्यशाला का संयोजन डॉ सुनीता चाकी ने किया । कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद भी इस अवसर पर उपस्थित थे । कार्यक्रम में सीमा सोढ़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सेदारी की ।

एआई शोध का विकल्प नहीं

डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज के व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने प्रभावी शोध पत्र तैयार करने विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की डॉ स्वाति शर्मा उपस्थिति रहीं। कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि एआई के आ जाने के बाद शोध की चुनौतियां बढ़ गई हैं । हम चाहे तो शोध आसानी से कर सकते हैं किंतु वह शोध प्रमाणित नहीं माना जा जाएगा। उन्होंने बताया कि कोई भी शोध पत्र लिखते समय यह ध्यान देना चाहिए है कि हम एकपक्षीय होकर न लिख रहे हों। शोध पत्र लिखते समय अपने शोध को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न स्रोतों का इस्तेमाल करना चाहिए। डॉ शर्मा ने कार्यशाला में प्रतिभागी विद्यार्थियों को मार्केटिंग से संबंधित शोध पत्र लेखन को प्रभावशाली बनाने के लिए डाटा, ग्राफिक्स और सैद्धांतिक चित्रों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने शोध पत्रों के डाटा का विश्लेषण और उसको व्यवस्थित करने वाले विभिन्न सॉफ्टवेयरों की भी जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डॉ सुनीता चाकी, डॉ ललित कुमार, डॉ राजबाला गौतम, डॉ अंकित शर्मा एवं नेहा शर्मा उपस्थित रहे।

मीडिया में कैरियर अवसरों पर ओरिएंटिशन का आयोजन

डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता विभाग ने नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय था- मीडिया में नए अवसर । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष वरिष्ठ प्रो. सुधा सिंह उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में रिलायंस कॉरपोरेट कम्युनिकेशन के उपाध्यक्ष संजय पांडे और वरिष्ठ पत्रकार विवेक प्रकाश उपस्थित रहे। इस अवसर पर हिंदी सिनेमा पर आधारित न्यूज़ लेटर सिनेमा गैलरी का विमोचन भी किया गया।

महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे महाविद्यालय में पत्रकारिता के विद्यार्थी काफी सक्रिय रहते हैं जो कि उनके कार्य के प्रति लगाव को दिखाता है। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बिजेंद्र कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज के समय में पत्रकारिता में अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं जिसमें आपके लिए रोजगार के बेशुमार अवसर हैं। व्यावहारिक प्रशिक्षण पर आधारित शिक्षण से मीडिया के क्षेत्र में विद्यार्थियों को विशेष अवसर दिलाता है। प्रो. सुधा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम को संचालित करने वाला सबसे पुराना संस्थान है। इस महाविद्यालय में पिछले तीन दशक से हिंदी पत्रकारिता का पठन-पाठन हो रहा है। यहां से मीडिया जगत में तमाम बड़े नाम अभी भी सक्रिय हैं जो कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं। अब दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी पत्रकारिता में एम.ए. पाठ्यक्रम भी शुरू हो गया है जिसमें हिंदी पत्रकारिता और हिंदी विशेष के विद्यार्थियों के लिए 50 प्रतिशत सीटें रिजर्व हैं । वरिष्ठ मीडियाकर्मी संजय पांडेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि कॉरपोरेट जगत में करियर बनाने के लिए कम्युनिकेशन स्किल पर काम करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कम्युनिकेशन स्पेक्ट्रम तीन प्रक्रिया से होकर गुजरता है। इसमें स्टोरीटेलिंग, स्टोरी लिसनर और प्लेटफॉर्म की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और आज के समय में यह तीनों ही चीजें सोशल मीडिया के नियंत्रण में हैं। ऐसे में यदि आपको इन क्षेत्रों में काम करना है तो सोशल मीडिया और कृत्रिम मेधा (एआई) की अच्छी समझ विकसित करनी होगी क्योंकि आने वाला समय एआई का है। वरिष्ठ पत्रकार विवेक प्रकाश ने कहा कि मीडिया में सफलता के लिए सामाजिक जिम्मेदारी, मीडिया एथिक्स, नैतिक मूल्य और तटस्थ होना अत्यंत आवश्यक हैं। इसके बिना किसी भी क्षेत्र में सफल होना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि आप अपने आपको सीमित न रखें। सिनेमा, कॉरपोरेट तथा पब्लिक रिलेशन जैसे क्षेत्रों में भी अपनी रुचि विकसित करें। उन्होंने कहा कि जब आप अपने कौशल को पहचानना सीख जाएंगे तो आपके उज्ज्वल भविष्य के रास्ते अपने आप खुलते चले जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अतिथियों को पौधा और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नीरव अडालजा ने किया। इस अवसर पर प्रो. शशि रानी, प्रो. चित्रा रानी, प्रो. रामप्रकाश द्विवेदी, प्रो.ममता वालिया, प्रो.रजनी, डॉ राकेश यादव, डॉ सुभाष गौतम, डॉ रंजीत कुमार, डॉ प्रवीण झा, डॉ अनिल कांबले के साथ भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में शामिल प्रो. सुधा सिंह ,प्रो.शशि, प्रो. नीरव,संजय पांडे व विवेक

शिक्षक सहयोगी : प्रो. बिजेन्द्र कुमार, प्रो. शशि रानी, डॉ. राकेश यादव, डॉ. प्रवीण झा, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. सुभाष गौतम

डिज़ाइन परिकल्पना : नीरज कुमार, *प्रेम कुमार, राम पाठक*

छात्र सहयोगी : *करुणा नयन चतुर्वेदी, अंशु कुमार, सौभाग्य, सक्षम पाण्डेय, अर्पित ओम यादव, दिलीप, तनु, नितिन, गणेश, विशु, मानसी, ज्योति सैनी, दीपा,*

डिस्क्लेमर: ब्राक मीडिया के इस प्रायोगिक समाचार-पत्र में छपी सामग्री लेखक के अपने विचार है, इस सामग्री का संपादकीय टीम से कोई संबंध नहीं है।